CIVIL SERVICES (MAIN) EXAM-2022

CRNA-S-MTLI

मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

साहित्य / LITERATURE

*निर्धारित समय : **तीन घंटे***	*अधिकतम अंक : **250***
*Time Allowed : **Three** Hours*	*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ :

*एतय दू **खण्ड (SECTION)** मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि ।*

*अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि ।*

*प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसँ कोनो **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक **खण्ड (SECTION)** सँ कमसँ कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।*

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

*उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।*

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशत: लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **MAITHILI** (Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि । काव्य-वैशिष्ट्यकैं निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहय । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) *10×5=50*

(a) आधक आध आध दिठि-अंचल जब हरि पेखल कान ।
कत सत कोटि कुसुम सरे जरजर रहत कि जाएत परान ।।
सजनी, जानल बिहि मोर बाम ।
दुहु लोचन भरि जे हरि हेरए तसु पद मोर परनाम ।।
'सुनयनि' कहैत कान्ह घन सामर मोहि बिजुरि सम लागि ।
'रसवती' ककर परस-रस भासल हमर हृदय जनि आगि ।। *10*

(b) 'विधि, हम कएल कोन एहन अतिघोर
पातक, जहि जन्य तुअ ई व्यापार,
पुनि-पुनि दुःखावर्त बीच मोहि फेकि
दुर्गति करिअ एहिविधि ? की मम जन्म
द्रुपद-राजकुल मध्य भेल एहि हेतु ?' *10*

(c) जेना पानिसँ धान बढ़य ओ स्वच्छ पक्षसँ चान ।
मान-दानसँ प्रीति-रीति, तहिना सुखसँ सन्तान ।।
दिनकर होइतहिँ उदित छने-छन ऊपर उठले जाथि ।
नव समुदित सुकुमार कुमारो नित-प्रति बढ़ले जाथि ।।
तोतर बोल अमोल, सभक मन सहजहिं जाय विकाय ।
माय-बाप जौहरी हँसी हीरककैं सहत जोगाय ।। *10*

(d) सभ पुरूष शिखण्डी
सभ स्त्री रासक राधा
सभक मोनमे धनुष तानि कऽ बैसल
रक्त पियासल व्याधा
कतऽ जाउ ? की करू ?
रावण बनि ककरा सीता कैं हरण करू ?
सभ पुरूष शिखण्डी *10*

(e) से दिन कोना होयत मनोरथ पूर ।
रघुनन्दन-बल प्रलय पवन सम, अधम निशाचर तूर ।।
देवर-तीर जेहन प्रलयानल, रावण-गण वन झूर ।
के हम थिकहुँ ककर हम कामिनि, परिचय पओता क्रूर ।।
सकल तमीचर तामस तम सम, श्री रघुनन्दन सूर ।
हमर यहन गति दैव देखै धथि, नहि उपाय किधु फुर ।। 10

Q2. (a) कवि यात्रीकेँ स्वप्नमे काव्य-सरस्वती की कहलथिन ? 'मैथिली काव्यधारामे ताहिसँ काव्यक स्वर आ स्वरूपमे की परिवर्त्तन भेल' — विवेचन करू । 20

(b) पठित रचनाक आधार पर जीवकान्तक व्यक्तित्त्व ओ काव्य — वैशिष्ट्यक उल्लेख करू । 15

(c) 'मिथिला भाषा रामायण'क सुन्दरकाण्डक आधार पर तत्कालीन परराष्ट्र नीतिपर प्रकाश दिअ । 15

Q3. (a) 'दत्तवती' नामक सार्थकता बुझबैत मृगांकदत्तक वाल्यावस्थाक किछु खास प्रसंगक उल्लेख करू । 20

(b) 'रमेश्वरचरित मिथिला रामायण'क नामकरणक प्रसंग अन्तर्निहित भायकेँ स्पष्ट करू । 15

(c) 'कीचक-वध' महाकाव्यक आधार पर कीचकक कक्षमे प्रवेश करैत द्रौपदीक मनोभावकेँ स्पष्ट करू । 15

Q4. (a) कृष्णजन्मक साहित्यिक महत्त्व प्रतिपादित करैत कृष्णक किछु अलौकिक बाललीलाक उल्लेख करू । 20

(b) 'रसना रोचन श्रवण विलास' — गोविन्द दासक प्रसंग कहल गेल एहि उक्तिमे निहित भावकेँ बुझाउ । 15

(c) विद्यापति अपन गीतमे जनसाहित्यक निर्माण कएल एवं मानव-हृदयक-मूलभूत भाववृत्ति-शृंगार ओ भक्तिकेँ रागात्मक अभिव्यक्ति देल' — 'गीत-शती'क पठित अंशक आधार पर एहि उक्तिक विश्लेषण करू । 15

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहय । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)** *10×5=50*

(a) असलमे पूछह त भूतक मंत्र एहि देशक लोक जनिते नहि अछि । भूतक मंत्र जनैत अछि पाश्चात्य देश । छिति, जल पावक, गगन, समीरा – एहि पाँचो भूतकेँ ओ तेना कऽ अपना वशमे कैने अछि जे सभ काडा ओकरा सँ लय रहल अछि । और हमरा लोकनि नकली भूतक फेरमे पड़ि उनटा सरिसब जोहने भेल फिरै छी । *10*

(b) एक दिस स्वर्ण सागरमे डूब देबए लेल चलि जाइत भुयन-भास्कर आ दोसर दिस क्षितिज कोरसँ ऊपर उठैत पूर्णमासीक चान । सोझामे कोनो गौरसँ प्रयासरत ढेकरैत वृषभ । लगहिमे ऐंचैत-ऐंठैत बहैत देबहा-धार, राजकुमारक उदासी, झपसी लाधल अमावश्याक साँझ जकाँ अथाह होइत गेलइ । *10*

(c) घरक हाइ-कमाण्ड एखन धरि इएह रहय । अइ टोकमे कोनो तेहन शक्ति रहैक जकरा नेनहिसँ मानबाक संस्कार जमि गेल रहैक । कोनो अनट-विनट काज करैत काल, कोनो अनुचित करैत काल, इएह टोक नेनासँ सुनने रहय । आ तकर बाद फेर आगाँ किछु कहबाकआ कि सुनबाक साहस कहियो ने होइक । आइयो ने भेलैक । नवीन पौरूषक दर्प उतरि गेलैक । हठात् घोर लज्जा एँ घेरि लेलकै । माइक सोझाँ अपन पौरूषक प्रदर्शनसँ बड़ संकोच भेलैक । *10*

(d) छौंडा अलबत्त लमोड़ि बहरयलैक । लाज-धाख तँ सफ्फे घोरिकऽ पीबि गेल रहैक । क्यो कहियो एक टा नीक बोल नहि कहलकैक, अगत्तिये तेहन रहै । कोनो दिन एहन नहि बीतै, जे हमहूँ ओकरा दस हजार गंजन नहि करिऐ । मुदा तैयो हेहरा सुटिया कऽ पहुँचि जाय । गाम पर बूढ़ अपंग बाप, आङन मे समरथि सतमाय अहुछिया कटैक । *10*

(e) अन्नपूर्णा उत्तरमे कहलथिन — "दरिद्रा रहय, कोनो हानि नहि । अशोकक दबाइ-दारू नहि होई, कोनो हानि नहि । मुदा, अशोक एक दिन पैघ होयत । तखन जँ ओकरा संगी सभ कहतैक जे तोँ बच्चा छलाह, तोहर माय तोरा सूतल छोड़ि लोकसभसँ भेँट-घाँट करय जाइत छलथुन — तँ ओकरा कतेक दुख हेतैक ? अशोक भुखले रहय, पढ़ि-लिखि नहि सकय, मरि जाय — मुदा ओकरा ई दुःख कहियो नहि होबय देबैक । *10*

Q6. (a) 'घरदेखिया' कथाक शिल्प, भाषा आ कथ्य पर विचार करू । *20*

(b) अहाँक दृष्टिएँ कोन-कोन वैशिष्ट्यक कारणेँ राजकमलक कथा महत्त्वपूर्ण मानल जाइछ ? *15*

(c) 'पृथ्वीपुत्र' मे कोन समस्या उठाओल गेल अछि आ तकर समाधान की सुझाओल गेल अछि ? *15*

Q7. (a) लोरिकक व्यक्तित्वक किछु पक्ष सभकेँ उजागर करैत हुनक पराक्रमक अलौकिक दृष्टान्त प्रस्तुत करू । *20*

(b) 'भफाइत चाहक जिनगी' केँ नवीन नाट्यशिल्पक पहिल कृति मानल गेल अछि ।' — एहि पर अपन मत दैत तकर पुष्टिमे तर्क उपस्थित करू । *15*

(c) 'कथा संग्रह'क आधार पर स्वातंत्र्योत्तर मैथिली कथाक दशा ओ दिशाकेँ रेखांकित करू । *15*

Q8. (a) 'लोरिक विजय'क सती माँजरिक चारित्रिक सौन्दर्य, शील आ सतीत्वक गरिमा सीताक परम्पराक पूर्ण प्रतिनिधित्व करैत अछि' — एहि उक्ति पर विचार करू । *20*

(b) अपन साहित्य आ समाज पर 'खट्टर ककाक तरंग' क प्रभाव कोन रूपक पड़लैक — संक्षेपमे लिखू । *15*

(c) ''वर्णरत्नाकर' मे शारीरिक शोभा-हाव-भावसँ भरल नागर-नायक, रूपवती-नायिका एवं सुन्दर सखीक रमणीक श्रृंगारात्मक वर्णन भेल अछि' — पठित अंशक आधार पर एकरा पल्लवित करू । *15*